नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 251
दि. 11.01.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं', स्वाभिमान पर्व में पीएम मोदी ने पूजा-अर्चना कर ओंकार मंत्र का किया जाप

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 जनवरी 2026, शनिवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्राचीन तीर्थस्थल पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत आयोजित अनुष्ठानों में भी भाग लिया। पीएम मोदी ने सोमनाथ में उपस्थित होकर खुद को "धन्य" महसूस करने की बात कही। उन्होंने इस पवित्र स्थल को "हमारे सभ्यतागत साहस का एक गौरवपूर्ण प्रतीक" बताया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सहभागिता करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "सोमनाथ में होना धन्य है, यह हमारे सभ्यतागत साहस का एक गौरवपूर्ण प्रतीक है। यह यात्रा #SomnathSwabhimanParv के दौरान हो रही है, जब पूरा राष्ट्र 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के एक हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एकजुट हुआ है।" उन्होंने लोगों के गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री के सोमनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हुए, सड़कों और छतों पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे। लोगों ने उत्साहपूर्वक अपने हाथों से इशारा किया और पीएम के काफिले का स्वागत किया। इस दौरान मिली प्रतिक्रिया पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में टिप्पणी की, "जय सोमनाथ! आज का स्वागत बहुत ही खास था।"

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में ओंकार मंत्र के जाप में हुए शामिल

शनिवार के कार्यक्रम के तहत, प्रधानमंत्री मोदी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में ओंकार मंत्र के जाप में शामिल हुए इसके बाद, वह सोमनाथ मंदिर में आयोजित एक अद्भुत ड्रोन शो का भी अवलोकन किया।

सोमनाथ मंदिर पर आधारित भव्य ड्रोन शो देखा, पीएम मोदी ने इस अवसर पर एक भव्य ड्रोन शो देखा। इस शो में विभिन्न विषयों पर आधारित आकृतियों से भगवान शिव और शिवलिंग की विशाल छवियां साकार की गईं। इसके अतिरिक्त, सोमनाथ मंदिर का एक शानदार श्रीडी चित्रण भी प्रस्तुत किया गया।

11 जनवरी को पीएम मोदी एक भव्य शौर्य यात्रा में हिस्सा लेंगे

बता दें 11 जनवरी को सुबह करीब 9:45 बजे, प्रधानमंत्री एक भव्य शौर्य यात्रा में हिस्सा लेंगे। यह औपचारिक शोभायात्रा उन अनगिनत योद्धाओं को सम्मान देने के लिए आयोजित की जा रही है, जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस यात्रा में वीरता और बलिदान का प्रतीक 108 घोड़ों का प्रतीकात्मक मार्च भी शामिल होगा।

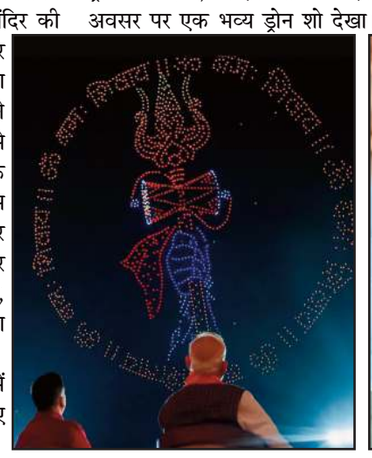

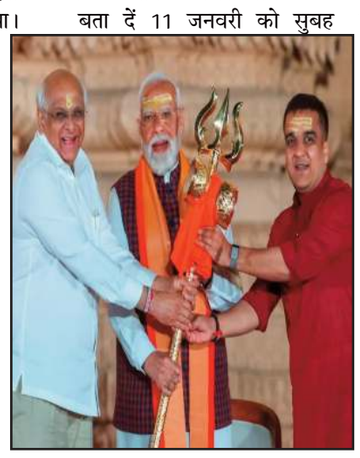

शौर्य यात्रा के बाद, लगभग 10:15 बजे प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन और पूजा करेंगे। इसके उपरांत, लगभग 11 बजे, वे सोमनाथ में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में भाग लेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अपने विचार साझा करेंगे।

8 से 11 जनवरी, 2026 तक चलने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, 1026 में गजनी के महमूद द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए पहले हमले की 1,000वीं वर्षगांठ का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पर्व उस ऐतिहासिक घटना को याद दिलाता है जिसने भारतीय इतिहास पर गहरी छाप छोड़ी।

इस हमले ने एक ऐसे लंबे दौर की शुरूआत की, जिसमें सदियों तक मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया और फिर से बनाया गया। इन कठिनाइयों के बावजूद, सोमनाथ कभी भी लोगों की सामूहिक चेतना से दूर नहीं हुआ। मंदिर के विनाश और पुनरुद्धार का यह चक्र विश्व इतिहास में अद्वितीय है, जो इसकी अविनाशी भावना को दशार्ता है। यह सिर्फ एक पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि विश्वास, पहचान और सभ्यतागत गौरव का जीवंत प्रतीक रहा है।

12 नवंबर, 1947 को, कार्तिक सूद 1 (दिवाली का दिन) पर, सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के खंडहरों का दौरा किया था। उन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया, इसे भारत के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक माना। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम था।

जनभागीदारी से चला यह पुनर्निर्माण कार्य 11 मई, 1951 को तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में वर्तमान मंदिर के अभिषेक के साथ संपन्न हुआ। 2026 में, राष्ट्र इस ऐतिहासिक 1951 समारोह की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो भारत के सभ्यतागत आत्म-सम्मान की पुष्टि करता है। भगवान शिव के 12 आदि ज्योतिर्लिंगों में से पहले के रूप में पूजित, सोमनाथ मंदिर परिसर अरब सागर के किनारे भव्य रूप से खड़ा है, जिसका 150 फुट ऊंचा शिखर अटूट आस्था और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है।

माघ मेला : स्वच्छता, भीषण शीत लहरी से बचाव के लिए आवश्यक उपाय व पब्लिक एड्रेस सिस्टम : सीएम योगी

लखनऊ : 10 जनवरी, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज प्रयागराज भ्रमण के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें पावन त्रिवेणी में दर्शन और स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। विगत वर्ष इस समय प्रयागराज महाकुम्भ आयोजन की अन्तिम तैयारियां युद्धस्तर पर थीं। तब वह 10 जनवरी, 2025 को प्रयागराज में मेले के अंतिम तैयारियां देखने यहां आये थे। इस वर्ष का माघ मेला पूरी भव्यता के साथ पौष पूर्णिमा 03 जनवरी, 2026 से प्रारम्भ हो गया है। यह आयोजन आगामी 15 फरवरी तक चलेगा। अनुमान किया गया था कि पौष पूर्णिमा पर 10 से 15 लाख श्रद्धालु आएंगे, लेकिन पौष पूर्णिमा पर 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माँ गंगा, माँ यमुना तथा माँ सरस्वती की पावन त्रिवेणी पर आकर भगवान वेणी माधव, बड़े हनुमान जी व अक्षयवट के असीम सान्निध्य में सकुशल स्नान और यहां से आशीर्वाद लेकर प्रस्थान किया। कल्पवासी एक महीने के कल्पवास के लिए वर्तमान में अपनी साधना में तल्लीन हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उन्हें भगवान रामानन्दाचार्य जी के 726वें पावन जयन्ती कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रयागराज का सौभाग्य है कि यह अनेक पूज्य ऋषि-मुनियों की पावन धरा है। द्वादश माधव के साथ-साथ त्रिवेणी की पावन धरा को महर्षि भारद्वाज, महर्षि याज्ञवल्क्य और अन्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 10 जनवरी, 2026 को जनपद प्रयागराज में मीडिया प्रतिनिधिय को सम्बोधित करते हुए।

पूज्य महर्षियों व सिद्ध संतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ है। 726 वर्ष पूर्व इसी पावन धरा पर जगद्गुरु रामानन्दाचार्य जी का जन्म हुआ था। आज उनके पावन जन्मोत्सव कार्यक्रम के साथ ही माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा की गयी।

यहां आगामी 14 व 15 जनवरी को मकर संक्रान्ति स्नान तथा आगामी 18 जनवरी को मौनी अमावस्या का मुख्य स्नान होगा। इसके उपरान्त 23 जनवरी को बसंत पंचमी और फिर माघ पूर्णिमा के साथ ही 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान यहां पर सम्पन्न होगा। यह सभी माघ मेले के कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि माघ मेले के सम्पूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन, पुलिस और सम्बन्धित विभागों ने समस्त तैयारियां की हैं। पूर्व की तुलना में घाटों की लम्बाई बढ़ायी गयी है। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। भीषण शीत लहरी से बचाव के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ ही मेले से जुड़े हुए 'मेला सेवा ऐप' का भी शुभारम्भ किया गया है। किसी भी कल्पवासी, सन्त तथा श्रद्धालु को यदि कोई सेवा लेनी हो, या उन्हें किसी प्रकार की समस्या हो तो वह इस मोबाइल ऐप के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं तथा प्रशासन के समक्ष अपनी बात रख सकते हैं। यहां पर इस मोबाइल ऐप का बेहतर उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपसी समन्वय तथा तत्परता के साथ प्रशासन ने पौष पूर्णिमा के स्नान को भव्यता व संवाद के साथ सबके सहयोग से सकुशल सम्पन्न कराया। आगामी सभी पांच स्नान भी उसी पवित्रता, संवाद और समन्वय के साथ सकुशल सम्पन्न होंगे। इसी मुद्दे पर आज यहां पर चर्चा की गयी है। आयोजन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तत्परता के साथ लगा हुआ है। सभी लोग मिलकर इस कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराएंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज राजस्थान के जोधपुर में 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेन्शन एंड एक्सपो - 2026' को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते एक दशक में भारत दुनिया की 11वीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, अब जल्द ही तीसरी बनेगा

मैन्युफैक्चरिंग, स्किल ट्रेनिंग, वेल्थ जनरेशन और टेक्नोलॉजी एडॉप्शन से माहेश्वरी समाज ने यह सिद्ध किया है कि परंपरा और प्रगति साथ-साथ चल सकती हैं

मुगलों के खिलाफ संघर्ष से लेकर, स्वतंत्रता आंदोलन और आजादी के बाद देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में माहेश्वरी समाज का योगदान अमूल्य रहा

तलवार और तराजू से देश निर्माण में समानांतर योगदान देने वाला माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं, बल्कि सदैव जॉब क्रिएटर रहा है

हमारे समाजों ने कभी देश को विभाजित नहीं किया, ये संकुचितता के नहीं, बल्कि संगठन के द्योतक हैं

अगर देश का हर समाज अपने लोगों को आगे बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प ले ले, तो आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य अपने-आप पूरा हो जाएगा

भारतीय भाषाओं का उपयोग ही समाज और संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम है

स्वदेशी और स्वभाषा का मंत्र

डिफेंस स्किलिंग कॉन्क्लेव में रक्षा सचिव ने कहा, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एक राष्ट्रीय अनिवार्यता और दीर्घकालिक रणनीतिक स्वायत्तता के लिए आवश्यक है

'बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और तेजी से हो रहे तकनीकी विकास हमारे रक्षा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व अवसर पेश करते हैं'

(जीएनएस)।

रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने 10 जनवरी, 2026 को चंडीगढ़ में रक्षा, एयरोस्पेस और रणनीतिक क्षेत्र में कौशल विकास से संबंधित डिफेंस स्किलिंग कॉन्क्लेव के उद्घाटन के अवसर पर कहा, 'भारत अपनी रक्षा एवं औद्योगिक यात्रा में ऐसे एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां आत्मनिर्भरता एक राष्ट्रीय अनिवार्यता बन गई है।' पिछले एक दशक में भारत के रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के विजन से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र आयात पर निर्भर होने से हटकर एक ऐसा जीवंत इकोसिस्टम बन गया है जिसमें रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू), निजी उद्योग, एमएसएमई और स्टार्ट-अप शामिल हैं।

रक्षा सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि व्यवसाय करने में आसानी की दिशा में किए गए अनवरत प्रयासों और निरंतर नीतिगत सुधारों ने स्वदेशी मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी लाई है, जिससे यूएवी एवं सेंसर से लेकर तोपें, बख्तरबंद गाड़ियों और मिसाइलों जैसी जटिल प्रणालियों तक के घरेलू डिजाइन तथा उत्पादन को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने बताया कि 462 कंपनियों को 788 से अधिक

औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं, जिससे निजी क्षेत्र की भागीदारी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जबकि 2025 में रक्षा निर्यात 23,162 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है, जोकि 2014 के बाद से लगभग 35 गुना अधिक है।

श्री राजेश कुमार सिंह ने हल्के लड़ाकू विमान तेजस, अस्त्र दृश्य-सीमा से परे मिसाइल, धनुष तोप और आईएनएस विक्रांत जैसे स्वदेशी प्रणालियों को उद्योग जगत, अनुसंधान और कुशल जनशक्ति के बीच बढ़ते तालमेल का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने इस बात को दोहराया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता सिर्फ एक आर्थिक लक्ष्य ही नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने के लिए एक जरूरत भी है। उन्होंने यह भी कहा कि बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और तेजी से आगे बढ़ती तकनीकें भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए चुनौतियां और अभूतपूर्व अवसर, दोनों पेश कर रही हैं।

मानव पूंजी के महत्व पर जोर देते हुए, रक्षा सचिव ने कहा कि सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता के लिए न केवल हार्डवेयर का स्वदेशीकरण आवश्यक है, बल्कि कौशल, तकनीक और बौद्धिक पूंजी के मामले में भी संप्रभुता होनी चाहिए। उन्होंने स्किल इंडिया मिशन के तहत भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसमें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और प्रशिक्षण महानिदेशालय जैसी एजेंसियां रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए मौजूदा क्षमताओं और कौशल संबंधी भावी जरूरतों का आकलन कर रही हैं।

प्रधानमंत्री के स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट थ्रू टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन (पीएम-सेतु) कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल अकादमिक जगत, उद्योग और रक्षा अनुसंधान एवं विकास के बीच की खाई को पाटने के लिए शुरू की गई है। पांच सालों में कुल 60,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, जिसमें 50 प्रतिशत भारत सरकार की फंडिंग शामिल है, पीएम-सेतु का लक्ष्य उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करना, दोहरी शिक्षुता को बढ़ावा देना, एआई-आधारित प्रशिक्षण उपकरण पेश करना और अग्निवीरों एवं पूर्व सैनिकों को कौशल विकास की व्यवस्थित प्रणाली में शामिल करना है। उन्होंने राज्य सरकारों और उद्योग जगत के साझेदारों से पीएम-सेतु कार्यक्रम को एक परिणाम-आधारित दृष्टिकोण के जरिए आगे बढ़ाने का आ'ान किया, जिसमें शिक्षुता और अंतः कार्य प्रशिक्षण कौशल विकास के सभी तरीकों की रीढ़ हों ताकि उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार प्रतिभाओं का निर्माण सुनिश्चित हो सके। रक्षा सचिव ने रक्षा उत्पादन में पंजाब की अप्रयुक्त क्षमताओं के सदुपयोग पर जोर दिया। उन्होंने इस राज्य को एक रक्षा उत्पादन केन्द्र के तौर पर उभरने में समर्थ बनाने हेतु रक्षा इकोसिस्टम नेटवर्क, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ एमएसएमई के बेहतर जुड़ाव और समर्पित कौशल एवं परीक्षण अवसंरचना की जरूरत बताई।

अग्निवीरों द्वारा निभाई जा रही अहम भूमिका पर जोर देते हुए, श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा कि अग्निपथ योजना ने अनुशासित एवं तकनीकी रूप से प्रशिक्षित युवाओं का एक ऐसा समूह तैयार किया है, जिन्हें राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क से संरेखित कौशल प्रमाणन के जरिए रक्षा उत्पादन और रणनीतिक क्षेत्र में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क लगाना उपभोक्ता कानून का उल्लंघनः सीसीपीए

सेवा शुल्क का स्वतः जुड़ना अनुचित व्यापार प्रथा घोषित;

50,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया; रेस्तरांओं को सेवा शुल्क वापस करने और बिलिंग प्रणाली में संशोधन करने का निर्देश दिया गया यह कार्रवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर बिलों के साथ प्राप्त उपभोक्ता शिकायतों के आधार पर शुरू की गई

(जीएनएस)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं को अपनाने के लिए देश भर में 27 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिया है ,जो सेवा शुल्क की अनिवार्य लेवी से संबंधित है।

यह कार्रवाई दिल्ली उच्च न्यायालय के 28 मार्च 2025 के फैसले के बाद की गई है जिसमें सेवा शुल्क लगाने के संबंध में सीसीपीए द्वारा जारी दिशानिदेर्शों को बरकरार रखा गया था। न्यायालय ने माना कि रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क वसूलना कानून के विरुद्ध है और कहा कि सभी रेस्तरां प्रतिष्ठानों को सीसीपीए के दिशानिदेर्शों का पालन करना आवश्यक है। न्यायालय ने यह भी पुष्टि की कि सीसीपीए कानून के अनुसार अपने दिशानिदेर्शों को लागू करने के लिए पूर्ण रूप से सशक्त

है। होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क लगाने के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए सीसीपीए द्वारा 4 जुलाई 2022 को जारी किए गए दिशानिदेर्शों में यह निर्धारित किया गया है कि :

कोई भी होटल या रेस्तरां खाने के बिल में स्वचालित रूप से या जानबूझकर से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा।

किसी भी अन्य नाम से सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उपभोक्ताओं को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा और उन्हें स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि यह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है।

सेवा शुल्क का भुगतान करने से इनकार करने पर प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

बिल में सेवा शुल्क नहीं जोड़ा जाएगा और इस पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

जांच से पता चला कि कैफे ब्लू बॉटल, पटना और चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड (बोरा बोरा) , मुंबई सहित कई रेस्टोरेंट, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और सीसीपीए दिशानिदेर्शों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए, स्वतः ही 10 प्रतिशत सेवा शुल्क वसूल रहे थे, जिसे अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है।

यह कार्रवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें सेवा शुल्क की जानबूझकर अतिरिक्त राशि दशार्ने वाले बिल भी शामिल थे। विस्तृत जांच से यह सिद्ध हुआ कि इस प्रकार की प्रथा अधिनियम की धारा 2(47) के अंतर्गत अनुचित व्यापार व्यवहार है।

पटना स्थित कैफे ब्लू बॉटल के मामले में , सीसीपीए ने रेस्तरां को निम्नलिखित निर्देश दिए:

उपभोक्ता को सेवा शुल्क की पूरी राशि वापस करें

सेवा शुल्क लगाने की प्रथा को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए

30,000 रुपये का जुमार्ना अदा करें, मुंबई के बोरा बोरा स्थित चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड के मामले में , रेस्टोरेंट ने सुनवाई के दौरान सेवा शुल्क वापस कर दिया। सीसीपीए ने रेस्टोरेंट को आगे निम्नलिखित निर्देश दिए:

इसके सॉफ़्टवेयर-जनरेटेड बिलिंग सिस्टम को संशोधित करें ताकि जानबूझकर रूप से सेवा शुल्क या इसी तरह के किसी भी शुल्क को न जोड़ा जाए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2026 का उद्घाटन किया

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडब्ल्यूबीएफ) 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कतर के संस्कृति मंत्री श्री अब्दुल रहमान बिन हमद बिन

जसीम बिन अल थानी, स्पेन के संस्कृति मंत्री श्री अर्नेस्ट उटार्सुन डोमेनेच, स्पेन के संस्कृति मंत्रालय में पुस्तकों की महानिदेशक सुश्री मारिया जोस गाल्वेज, केन्द्रीय उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अध्यक्ष श्री मिलिंद सुधाकर मराठे, एनबीटी के निदेशक श्री युवराज मलिक, कतर और स्पेन के विशिष्ट अतिथि और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के दौरान श्री प्रधान ने "कुडोपाली की गाथाः 1857 की अनकही कहानी" नामक पुस्तक का विमोचन किया, जो बांग्ला, असमिया, पंजाबी, मलयालम, उर्दू और मराठी भाषाओं में उपलब्ध है। कुडोपाली की गाथा पर एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया।

श्री प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि विश्व का सबसे बड़ा ं यवसाय से उपभोक्ं ता (बी2सी) पुस्तक मेला, एनडीडब्ल्यूबीएफ 2026, न केवल विचारों का संगम है बल्कि भारत की सशक्त और जीवंत पठन संस्कृति का एक भव्य उत्सव भी है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

गुजरात के में हर शहरी को मिलेगा अपना घर, केंद्र-राज्य सरकार का मेगा प्लान तैयार

(जीएनएस)।

गुजरात में किफायती आवास के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार का संयुक्त अभियान चल रहा है। किफायती आवास परियोजना प्रोग्राम के तहत शहरी क्षेत्र में रहनेवाले परिवारों को घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है।। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 (ढटअ -व 2.0) के तहत अल्ढ वर्टिकल के माध्यम से बड़े पैमाने पर सस्ते घरों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना में अल्ढ एक अहम श्रेणी है। इसमें निजी उद्योगों और

राज्य/नगर निकायों के साझेदारी मॉडल के तहत भूमि उपलब्ध कराकर ईडब्ल्यूएस और एलआईज परिवारों के लिए पक्के मकान बनाए जा रहे हैं।

2.35 लाख नए घर होंगे तैयार

- हाल ही में केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की सेंट्रल सेंशनिंग एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में 2.35 लाख घरों को निर्माण मंजूरी दी गई है।

- इसमें गुजरात सहित नौ राज्यों के लिए घरों के निर्माण को हरी झंडी मिली है। इन अनुमोदित घरों में से कई घर अल्ढ के अंतर्गत शामिल हैं।

- इससे सीधे तौर पर गुजरात के शहरी गरीबों को किफायती आवास तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

एएचपी (AHP) योजना के जरिए शहरी क्षेत्रों में गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए पक्का मकान तैयार किया जा रहा है।

इससे शहरों में रहने वाले निम्न आय वर्ग के लोगों का जीवनस्तर पहले से बेहतर हो सकेगा। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार और राज्य सरकार अपनी-अपनी हिस्सेदारी के साथ सब्सिडी और आर्थिक सहायता देते हैं। इससे प्रोजेक्ट के लिए लागत का बोझ कम होता है और निर्माण जल्दी पूरा हो सकता है।

हर परिवार के पास होगा पक्का मकान

गुजरात सरकार ने भी अल्ढ जैसे मॉडल को अपनाकर सस्ती किफायती आवास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इससे न केवल शहरी आवास की मांग को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि लाखों नागरिकों को पक्का घर मिलने की संभावना भी मजबूत होगी।

गोवर्धन रोड़ पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने दिखाई दबंगई : सवारी ले जा रहे वाहनों को जबरन रोककर किया हंगामा

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गोवर्धन रोड़ो पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने नगर निगम प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जा रहे रजिस्ट्रेशन के विरोध में हंगामा करते हुए रोड़ जाम कर दिया। आक्रोशित ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने सवारी ले जा रहे अन्य ऑटो चालकों को दबंगई करते हुए रोक लिया। इससे कुछ समय के लिए सड़क पर अफरा-तफरी जैसे हालात बन गए। हंगामा कर रहे ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का कहना है कि नगर निगम द्वारा वसूली जा रही 3 हजार रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस को अनुचित बताया है। इसी के विरोध में वह सड़क पर उतरकर विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान ऑटो चालकों ने रोड़ जाम कर दिया, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इसकी सूचना मिलते ही हाईवे पुलिस मौके पर पहुंच गई और हंगामा कर रहे ऑटो चालकों को जाम खोलने के लिए कहा और आगे कभी जाम लगाया तो कार्रवाई की चेतावनी दी। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सड़क जाम करने और जबरन वाहन रोकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सख्ती के बाद ऑटो चालक मौके से खिसक गए, तब जाकर स्थिति सामान्य हुई।

ऑटो चालक की हत्या कर लूट करने वाले ईनामी बदमाश मुठभेड़ में हुए लंगड़े : अवैध हथियार और मृतक का मोबाइल बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित पानीगांव लिंक रोड़ पर जमुनापार पुलिस और जैंत पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते टैम्पो चालक की हत्या करके टैम्पों और मोबाइल लूटने वाले फरार चल रहे शातिर ईनामी बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में लंगड़ा कर दिया। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाशों के कब्जे से दो तमंचा, कारतूस, मृत ऑटो चालक का मोबाइल और एक बाइक बरामद की है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी जैंत उमेशचन्द्र त्रिपाठी और थाना प्रभारी जमुनापार विदेश कुमार पुलिस टीम के साथ ईनामी बदमाशों की तलाश में जुटे हुए थे। इसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि ऑटो चालक की हत्या करके ऑटो लूटने वाले 20-20 हजार के ईनामी बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में पानीगांव लिंक रोड़ पर निमार्णाधीन कॉलोनी के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जैंत उमेशचन्द्र त्रिपाठी

और थाना प्रभारी जमुनापार विदेश कुमार पुलिस टीम में अतिरिक्त निरीक्षक जमुनापार नरेश कुमार, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, एसआई संजीव कुमार, कपिल कुमार, एसआई अनिल तेवतिया, एसआई रजत कुमार, एसआई प्रवीन शर्मा, मुख्य आरक्षी योगेन्द्र कुमार, जुगेन्द्र सिंह, विश्वेन्द्र कुमार, सर्विलांस टीम के मुख्य आरक्षी राघवेन्द्र सिंह, परवेन्द्र सिंह, थाना जैंत के आरक्षी पीताम्बर सिंह और प्रदीप कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम को देखते ही वहां खड़े ईनामी बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी फायरिंग की तो 20-20 हजार के ईनामी बदमाश दिनेश पुत्र स्व. भूप सिंह निवासी मोहल्ला मनी थोक कस्बा चौमुहां थाना जैंत और जयपाल पुत्र खूबचन्द्र निवासी गांव सांधनखेड़ा थाना अछनेरा जिला आगरा के पैरों में सरकारी पीतल धंस गई। पुलिस की गोली लगते ही ईनामी बदमाश जमीन पर गिर पड़े। पुलिस ने पकड़े गए घायल बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद ईलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। बताते है कि विगत 31 दिसंबर को अशोक पुत्र अमीचन्द्र निवासी गांव गढ़ी गोहनपुर, हयातपुर थाना जमुनापार ने अपने भाई यशपाल उर्फ राजा की पेचकस से गोदकर और गला दबाकर हत्या करने के खिलाफ शेर मोहम्मद पुत्र गुलशेर और शमशु पुत्र गुलशेर निवासीगण हयातपुर थाना जमुनापार के खिलाफ थाना जैंत क्षेत्र के लाड़पुर के जंगलो में फेंकने, मृतक का टैम्पू और मोबाइल लूटने लेने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। घटना को अंजाम देने के बाद भागते समय ऑटो की गैस खत्म होने के बाद ईनामी बदमाश, जैंत क्षेत्र में ऑटो छोड़कर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने जांच करते हुए सीसीटीवी फुटेज देखे तो पुलिस को अहम सुराग मिल गए। पुलिस ने जांच में नामजद लोगों को निर्दोष पाया तो जांच का दायरा बढ़ा दिया। पुलिस की जांच में मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश दिनेश और जयपाल द्वारा ऑटो चालक की हत्या करके लूट की घटना करना पाया गया। इसके बाद पुलिस पकड़े गए ईनामी बदमाशों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

मंडी चौराहा के पास पहलवानों के दो गुटों ने कानून-व्यवस्था को दिखाया ठेंगा : खुलेआम मारपीट और वाहनों में की तोड़फोड़

-घटना के बाद लोगों में दहशत

मथुरा (जीएनएस)। जनपद में कानून-व्यवस्था को एक बार फिर दबंगों ने ठेंगा दिखा दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मंडी चौराहा के पास पंजाबी रसोई रैस्टोरेंट के सामने पहलवानों के दो गुटों के बीच हुई जबरदस्त भिड़ंत ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। काफी देर तक चले हंगामे में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने के साथ ही लाठी-डंडे चले और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिए। दबंग पहलवानों द्वारा कानून को ठेंगा दिखाने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि खुलेआम सड़क पर दबंग पहलवानों के गुट एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। बीच सड़क पर हो रही मारपीट के चलते अफरा-तफरी मची रही। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया, जबकि वहां हर वक्त पुलिस मौजूद रहती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद अचानक शुरू हुआ और देखते ही देखते मारपीट और तोड़फोड़ शुरू हो गई। हंगामे की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस मौके पहुंची लेकिन पुलिस की गाड़ियों को आते हुए देखकर मारपीट और तोड़-फोड़ कर रहे दोनों पक्षों के पहलवान फरार हो गए। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा।

अमेठी सांसद द्वारा 19 लाख रुपये की लागत से 2 ट्राली ट्रांसफार्मर विधानसभा - सलोन की जनता को समर्पित।

सलोंन, रायबरेली। (जीएनएस)।

तहसील मुख्यालय सलोन स्थित अधिशाषी अभियंता कार्यालय (विद्युत) परिसर में अमेठी के लोकप्रिय सांसद माननीय श्री किशोरीलाल शर्मा जी ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत विद्युत कार्यों का लोकार्पण किया, 250 केवीए क्षमता के 2 ट्राली ट्रांसफार्मर विधानसभा - सलोन हेतु विद्युत विभाग को सौंपा।

सांसद जी का यह प्रयास अमेठी के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति को और सुचारु एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में अति महत्वपूर्ण कदम है।

ट्राली ट्रांसफार्मर की सुविधा से न केवल आपातकालीन स्थिति में तत्काल विद्युत व्यवस्था बहाल की जा सकेगी बल्कि अमेठी की सम्मानित जनता को निर्बाध बिजली आपूर्ति का

लाभ भी मिलेगा।

इसके अतिरिक्त विधानसभा - सलोन में सांसद निधि से 85.13 लाख की लागत से 400 सोलर लाइटें, 18 लाख की लागत से 9 विद्युत हाईमास्ट लाइटें लगवाई गई और 73 लाख की लागत से 10 इंटरलॉकिंग रोड का कार्य प्रगति पर है। साथ ही ढटॠ के अंतर्गत 10 सड़कों का कार्य भी चल रहा है।

सांसद जी ने हमेशा अमेठी की जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में अमेठी के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह कार्य एक और मील का पत्थर साबित होगा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप सिंघल जी, पूर्व प्रत्याशी श्री अर्जुन पासी, चौधरी अख्तर समीम, चौधरी निखत पूर्व चेयरमैन, मो मोबिन उर्फ चंदन, राजू सिंह, नगर अध्यक्ष अयाज अहमद, काजू, समीर आलम, मो फिरोज सभासद, सहित स्थानीय कांग्रेस जन व विद्युत विभाग के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क नहीं, बीमारी बन गया निर्माण, चंदेरी-बिलकिसगंज में उड़ती धूल से ग्रामीण बेहाल

(जीएनएस)।

चंदेरी-बिलकिसगंज सड़क निर्माण अब विकास की बजाय ग्रामीणों के लिए बीमारी और परेशानी का कारण बनता जा रहा है। सड़क निर्माण कार्य के दौरान उड़ती धूल ने पूरे क्षेत्र को वायु प्रदूषण के गुब्बारे में बदल दिया है।

हालात ऐसे हैं कि गांवों में सांस लेना मुश्किल हो गया है और बच्चे, बुजुर्ग व पहले से बीमार लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

धूल ने छीनी चैन की सांस

सीहोर-बिलकिसगंज मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य में पुराने डामर को उखाड़कर नए डामरीकरण में मिलाने और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से धूल का स्तर बेहद बढ़ गया है। दिनभर उड़ती धूल से घरों, दुकानों, वाहनों और खेतों पर मोटी परत जम जाती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई महीनों से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन न तो नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही धूल नियंत्रण के अन्य उपाय अपनाए जा रहे हैं।

बच्चे-बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित

ग्रामीणों के अनुसार धूल के कारण लोगों को खांसी, आंखों में जलन, सांस फूलने और दमा जैसी समस्याएं हो रही हैं। कई लोग बीमार पड़ चुके हैं। खासतौर पर बच्चे और बुजुर्ग, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, सबसे ज्यादा

परेशानी झेल रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक इस तरह के प्रदूषण के संपर्क में रहने से फेफड़ों और आंखों से जुड़ी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

घटिया निर्माण का भी आरोप

ग्रामीणों ने सिर्फ प्रदूषण ही नहीं, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि पुराने डामर को उखाड़कर उसे ही नए डामरीकरण में मिलाया जा रहा है, जिससे सड़क की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। कई दिनों से सड़क खुदी पड़ी है, लेकिन निर्माण स्थल पर न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं और न ही पर्यावरणीय नियमों का पालन।

भोपाल पहुंची ग्रामीणों की आवाज

परेशान ग्रामीणों ने आखिरकार भोपाल जाकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री, मुख्य सचिव, मानव अधिकार आयोग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का कहना है कि सीहोर जिले के लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी फोन तक नहीं उठाते और उनकी मनमानी के कारण जनता त्रस्त है।

कार्रवाई का आश्वासन

ग्रामीणों की शिकायत पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने तत्काल दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी मामले में सख्त कदम उठाने की बात कही है। वहीं मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष आयुक्त प्रताप सिंह ने भी ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों को पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री श्री अहिरवार के खिलाफ भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन मिला है।

ग्रामीणों की एकजुट मांग

इस मौके पर किसान और समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा, ग्राम बिलकिसगंज से प्रीतम मेवाड़ा, प्रदीप मेवाड़ा, बने सिंह मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मांग की कि सड़क निर्माण कार्य में पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, नियमित पानी का छिड़काव हो और घटिया निर्माण पर तत्काल रोक लगे।

ग्रामीणों का कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन लोगों की सेहत की कीमत पर नहीं। अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

आज सभी मतदेय स्थलों पर निर्वाचक नामावली पढ़कर सुनाएंगे बीएलओ : डीएम के आदेश पर कैंम्पों में मौजूद रहेंगे सभी बीएलओ

मथुरा (जीएनएस)। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सभी बीएलओ आज (रविवार) को अपने-अपने बूथ पर उपस्थित रहकर संबंधित आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाएंगे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा जनपद में अवस्थित समस्त विधानसभाओं के समस्त मतदेय स्थलों पर रविवार सुबह प्रातः 9 बजे से सांय 4 बजे तक मेगा कैम्प खुली बैठक का आयोजन किए जाने के निर्देश दिए हैं। आज लगने वाले मेगा कैंप, खुली बैठक में सभी बीएलओ द्वारा आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाया जाएगा तथा अधिक से अधिक फार्म- 6-7 और 8 प्राप्त किए जाएंगे। आज लगने वाले मेगा कैंप मतदेय स्थलों पर ही आयोजित किए जाएंगे। मेगा कैंप, खुली बैठक में सभी बीएलओ, (मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दल), सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल, नगरीय क्षेत्रों में संबंधित नगर निकाय के क्षेत्रीय कर्मचारी जैसे टैक्स कलेक्टर, सैनेटरी इंस्पेक्टर, सफाई नायक, सफाईकर्मी और पार्षद आदि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सदस्य, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, बीसी सखी, नरेगा महिला मेट आदि, राशन डीलर, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, विद्युत विभाग के लाइनमैन, मीटर रीडर, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, क्षेत्रीय विद्यालय के सभी अध्यापक, बीएलओ की ड्यूटी के अतिरिक्त बचे हुए शेष) आदि कर्मचारी कैंप में मौजूद रहेंगे।

गौवंश काटने वाले चार गौकशों समेत पांच को पुलिस ने दबोचा : पशु कटान में प्रयुक्त चार छुरा हुए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गिरधरपुर रोड़ के पास कॉलोनी में मकान के अंदर गौवंश का कटान करके जनपद का माहौल बिगाड़ने वाले चार गौकशों समेत एक महिला को पुलिस ने दबिशें देकर घरों से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पशु काटने में प्रयुक्त 4 छुरा भी बरामद किए हैं। बताते चलें कि थाना हाईवे क्षेत्र स्थित गिरधरपुर रोड़ पर अजय नगर कॉलोनी में गौवंश के कटान की सूचना मिलने पर हिंदूवादी संगठनों के

साथ आस-पास के लोगों ने जमकर हंगामा काटा था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने 45 किलो संदिग्ध मांस और पशुओं के अवशेष तथा खाल बरामद की थी। उसी समय से थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ पशु कटान करने वाले नामजदों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि पशु कटान करने वाले आरोपी अपने घरों में आए हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम में चौकी प्रभारी सतोहा दीपक नागर, पुलिस टीम में मुख्य आरक्षी प्रवीन शर्मा, रामरजपाल सिंह, रंजीत कुमार और बीनू यादव आदि के साथ आरोपियों के मकान पर पहुंच कर और दबिश देकर पशु कटान करने वाले इलियास पुत्र इमामी निवासी डीगगेट, आजाद नगर मार्केट के बरावर थाना गोविंदनगर, मथुरा, हाजी इस्लाम पुत्र रमजानी निवासी मुकुंद विहार, अजय नगर कॉलोनी थाना हाईवे, फैजान पुत्र शाबिर खांन निवासी बद्रीनगर डीगगेट थाना गोविंदनगर हाल निवासी एमएनटी स्कूल के पास मुकुंद विहार अजयनगर कॉलोनी थाना हाइवे, शाहरूख पुत्र हाजी इस्लाम निवासी मुकंद विहार अजय नगर कॉलोनी थाना हाइवे और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी शाहरूख पुत्र हाजी इस्लाम की निशादेई पर घर के अंदर से पशुओं के कटान में प्रयुक्त 4 छुरा बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके

सीएम किसान सम्मान योजना का इंतजार खत्म, इस दिन मिलेंगे पैसे

(जीएनएस)।

राजस्थान के 74 लाख किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान के अलावा राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली 3,000 की सहायता राशि बड़ा आर्थिक संबल है। पीएम किसान की 21वीं किस्त को आए एक महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है। किसानों को अब बेसब्री से सीएम किसान की 5वीं किस्त का इंतजार है। अब योजना की पांचवीं किस्त को लेकर किसानों की उम्मीदें फिर से जाग गई हैं।

चौथी किस्त जारी होने के बाद से ही किसान पांचवीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि दिसंबर 2025 के अंत तक राशि जारी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मीडिया रिपोर्ट्स और सरकारी सूत्रों के अनुसार, गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) के आसपास किसानों को बड़ी सौगात दे सकती है।

- राज्य सरकार की तैयारी है कि

पांचवीं किस्त की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (ऊइळ) के जरिए किसानों के बैंक खातों में भेजी जाए।

- हालांकि, इस बार पात्रता सत्यापन को लेकर सख्ती बरती गई है। इसी कारण लाभार्थी किसानों की संख्या में कमी आ सकती है।

- पहले लगभग 74 लाख किसान इस योजना से जुड़े थे, वहीं अब यह आंकड़ा घटकर करीब 65 लाख तक आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राजस्थान सरकार सालाना ₹3,000 की अतिरिक्त सहायता देती है, जो तीन किस्तों में ₹1,000-₹1,000 करके दी जाती है। वहीं केंद्र सरकार पीएम-किसान योजना के तहत सालाना ₹6,000 देती है। इस तरह एक पात्र किसान को कुल ₹9,000 सालाना की मदद मिलती है।

पांचवीं किस्त में किसानों के खाते में ₹1,000 की राशि ट्रांसफर की जाएगी। यह लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनकी ई-केवाईसी पूरी है, फार्मर आईडी बनी हुई है और जो पीएम-किसान योजना के पात्र लाभार्थी हैं।

दबंगों ने रिटार्यड रेलवे कर्मी को पीट-पीट कर उतारा मौत के घाट : पुलिस कर रही हमलावरों की तलाश

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र क्षेत्र स्थित गांव सिहाना में दबंगों ने रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी 70 वर्षीय बाबूलाल की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हमलावरों ने वृद्ध को मरणासन्न हालत में कर दिया और फरार हो गए। उपचार के दौरान रिटार्यड रेलवे कर्मी बाबूलाल ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया है। पुलिस ने नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विगत 9 जनवरी को बाबूलाल निवासी गांव सिहाना थाना छाता का रास्ता रोककर कमल पुत्र रघुवीर और तरुण पुत्र रघुवीर ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में वृद्ध गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गई और घायल बाबूलाल को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर देखकर चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया, लेकिन उसी बीच रास्ते में घायल वृद्ध बाबूलाल ने दम तोड़ दिया। मृतक के पुत्र राहुल कुमार ने थाना छाता में दी तहरीर में आरोप लगाया कि सौरभ पुत्र रघुवीर, अनीता पत्नी रघुवीर और रघुवीर पुत्र चेतराम द्वारा पूर्व में भी लगातार गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियां दी गईं थीं। इस वारदात ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले वृद्धों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह ने बताया कि घटना के बाद नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद मुकदमें में और भी धाराएं बढ़ायी जाएंगी। उनका कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

इंदिरा जी के जमाने से ही इस्तेमाल होती आई है चुप्पी की नीति

मोदी ट्रंप की धमकियों का जवाब मजबूत अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय वूटनीति से दे रहे हैं। ट्रंप कहते हैं कि भारत उन्हें खुश करे, लेकिन भारत की विदेश नीति किसी एक नेता पर निर्भर नहीं। आजादी के बाद से भारत ने कभी आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं सहा, चाहे निक्सन हो या ट्रंप। इतिहास साबित करता है कि भारत की ताकत शोर में नहीं, संयम और रणनीति में है। ट्रंप की धमकियों के बीच मोदी की चुप्पी, इतिहास में गूंजती इंदिरा की रणनीति वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच वूटनीतिक रिश्ते फिर से सरुखियों में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल खरीद को लेकर बयान जारी करने ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा किया है। ट्रंप ने साफ किया कि यदि भारत उनके अनुरूप कदम नहीं उठाएगा, तो अमेरिका शुल्क और बढ़ा सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक मंच पर इन आरोपों का प्रत्यक्ष जवाब नहीं दिया, बल्कि संयम और रणनीति के साथ नीति बनाए रखी। राजनीतिक विरोधी इसे कमजोरी मान रहे हैं, लेकिन इतिहास यह दिखाता है कि धैर्य और रणनीति के साथ काम करना कभी-कभी तेज प्रतिव्रिया से अधिक प्रभावशाली होता है। इतिहास में अगर पीछे देखें तो यह रणनीति नई नहीं है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की परिस्थितियाँ गंभीर हो रही थीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिजर के दबाव का सामना चुप्पी और वूटनीतिक चालाकी के साथ किया था। पूवा पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से लाखों शरणाथा भारत में आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने अमेरिका की ओर से किसी भी हस्तक्षेप की अपेक्षा जताई, लेकिन ओवल ऑफिस में निक्सन ने उन्हें 45 मिनट तक इंतजार कराया। इस दौरान निक्सन की भाषा और रवैया भारतीय हितों के प्रति विरोधी था। बाद में सार्वजनिक हुई अमेरिकी दस्तावेज़ों और टेप रिकॉँडिग्स में निक्सन ने भारतीयों के लिए अपमानजनक शब्द इस्तेमाल किए, जबकि किसिजर ने इंदिरा गांधी और भारतीय महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। निक्सन का झुकाव पाकिस्तान की ओर था। कोल्ड वॉर के समय पाकिस्तान अमेरिका का मोहरा था, जबकि भारत पर दबाव डालकर युद्ध रोकने की कोशिश की जा रही थी। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत के पमिमी मोच्रे पर हमला किया। इंदिरा गांधी ने 5 दिसंबर को निक्सन को खत लिखा, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने सुनवाई नहीं की। उल्टे, उन्होंने बंगाल की खाड़ी में अपना सातवां बेड़ा, यूएसएस एंटरप्राइज, भेजा। यह बेड़ा परमाणु हथियारों से लैस था और भारत पर दबाव बनाने के लिए तैनात किया गया था। अमेरिकी दस्तावेज़ों के अनुसार, बेड़े को नागरिकों को निकालने के बहाने भेजा गया, लेकिन असल मकसद भारत को डराना था। इंदिरा गांधी ने निक्सन की धमकियों का जवाब शब्दों में नहीं दिया। न कोई भाषण, न प्रेस कॉन्प्रेंस में तीखी टिप्पणी। उन्होंने समझ लिया कि जोर से बोलने वाला नेता अक्सर कमजोरी छिपा रहा होता है। इसके बजाय इंदिरा गांधी ने रणनीतिक कदम उठाए। अगस्त 1971 में भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की, जो 20 वर्षो के लिए थी। यह वैचारिक झुकाव नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच था। सोवियत संघ ने भारत को हथियार और वूटनीतिक समर्थन दिया। युद्ध शुरू हुआ तो भारतीय सेना ने महज 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तानी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ समर्पण किया। इस प्रकार बांग्लादेश का जन्म हुआ और दक्षिण एशिया का नक्शा बदल गया। आज के दौर में ट्रंप की शैली निक्सन जैसी ही है। वे भी बड़बोले हैं, सहयोगियों को अपमानित करते हैं, विरोधियों की तारीफ करते हैं और अपने बयान पलट देते हैं। भारत को कभी दोस्त कहते हैं, तो कभी टैरिफ की धमकी देते हैं। 5 जनवरी 2026 को ट्रंप ने कहा कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना नहीं रोकेगा तो टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

अयोध्या राम मंदिर में नमाज पढ़ने वाला अब्दुल कौन है? इसका कश्मीर से क्या है कनेक्शन

(जीएनएस)।

अयोध्या के राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 10 जनवरी (शनिवार) को राम मंदिर परिसर के अंदर एक शख्स को नमाज पढ़ते हुए पकड़ा गया, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। यह घटना मंदिर की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े दिए हैं।

ये मामला शनिवार की सुबह का है,जिसमें अयोध्या के राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कथित कोशिश के बाद इस शख्स को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षाकर्मियों ने उसे मौके पर ही रोक लिया और बाद में पुलिस को सौंप दिया। सूचना मिलते ही पुलिस, खुफिया एजेंसियां और वरिष्ठ अधिकारियों शख्स से पूछताछ कर रहे हैं और अयोध्या आने के मकसद, नमाज पढ़ने की मंशा और घटना में किसी अन्य व्यक्ति की संभावित संलिप्तता की भी जांच कर रहे हैं।

सीता रसोई के पास नमाज पढ़ते हिरासत में लिया गया

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 55 वर्षीय अब्दुल अहद शेख राम मंदिर परिसर में पहुंचा इसके बाद सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठकर कथित तौर पर नमाज अदा करने की तैयारी की थी। सुरक्षाकर्मियों की नजर पड़ते ही उन्होंने तत्काल कार्रवाई कर शेख को रोका। इस दौरान उसने कथित तौर पर नारे भी लगाए। मंदिर सुरक्षा स्टाफ ने

उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को आगे की पूछताछ के लिए सौंप दिया।

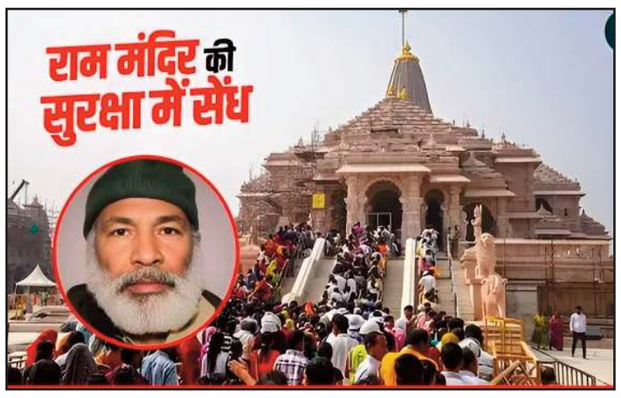

कौन हैं अब्दुल अहद शेख?

55 वर्षीय अहमद शेख कश्मीर के शोपियां जिले का रहने वाला है। तलाशी में शेख के बैग से काजू और किशमिश बरामद हुए। शुरूआती पूछताछ में उसने अजमेर जाने की बात कही थी। शोपियां में अब्दुल अहद शेख के बेटे इमरान शेख ने बताया कि उनके पिता पांच-छह दिन पहले घर से निकले थे और परिवार को अयोध्या यात्रा या घटना की जानकारी नहीं थी।

कश्मीर तक जांच की गई

अयोध्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने कश्मीर तक जांच की और अयोध्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने शोपियां में अब्दुल के बेटे से पूछताछ की। वहीं पकड़े जाने पर अब्दुल ने बताया कि चार पांच दिन पहले वो घर से निकले थे। जांच टीम को शेख ने बताया कि वह राजस्थान के अजमेर शरीफ जा रहा था। पुलिस को उसके सामान से केवल कुछ सूखे मेवे, जैसे काजू और किशमिश ही मिले हैं।

घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई

इस घटना के बाद, मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खुफिया एजेंसियां राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं। जिला प्रशासन और राम मंदिर ट्रस्ट ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

ईरान में शराब परोसने के अजीब हैं नियम, टूरिस्ट के लिए कड़े कानून, लोकल ऐसे कर लेते हैं इंतजाम

(जीएनएस)।

: ईरानी संस्कृति और साहित्य में शराब का इतिहास हजारों साल पुराना है। फारसी कवि हाफि ज और उमर खय्याम की शायरी में शराब, प्रेम और आजादी का प्रतीक रही है। लेकिन 1979 की कट्टरपंथी विचारधारा वाली इस्लामी क्रांति के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। इस्लामी गणराज्य बनने के साथ ही ईरान में शराब पर पूरी तरह कानूनी प्रतिबंध लगा दिया गया। तो फिर ईरान में लोग शराब कैसे पीते हैं और जो टूरिस्ट वहां जाते हैं उनको शराब कैसे मुहैया कराई जाती है, इसका तरीका बेहद दिलचस्प है।

क्या ईरान में शराब अवैध है?

हां, ईरान उन देशों में शामिल है जहां शराब पूरी तरह अवैध है। यहां किसी भी होटल, रेस्टोरेंट, कैफे या सार्वजनिक जगह पर शराब परोसी नहीं जा सकती। ईरान में एक भी सार्वजनिक बार, पब या नाइटक्लब मौजूद नहीं है। ईरान का संविधान शरिया (इस्लामी कानून) पर आधारित है, जिसके तहत मुस्लिम नागरिकों के लिए शराब का उत्पादन, खरीद, बिक्री और सेवन अपराध है।

शराब पर प्रतिबंध के पीछे कानून और सजा

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से शराब पर कानूनी रोक लागू है। अगर कोई मुस्लिम नागरिक शराब पीते या रखते हुए पकड़ा जाता है तो उसे भारी जुमार्ना, जेल की सजा और कुछ मामलों में सार्वजनिक तौर पर कोड़े लगाने जैसी कड़ी सजाओं का सामना करना पड़ सकता है।

क्या पर्यटक ईरान में शराब पी सकते हैं?

ईरान में पर्यटकों के लिए भी शराब पूरी तरह प्रतिबंधित है। यह नियम राष्ट्रीयता, धर्म या व्यक्तिगत मान्यताओं से परे लागू होता है। पर्यटक न तो शराब पी सकते हैं और न ही अपने साथ ला सकते हैं।

क्या ईरान में शराब लाना मना है?

ईरान के एयरपोर्ट पर सामान की एक्स-रे स्कैनिंग होती है। अगर किसी के बैग में शराब पाई गई तो शराब जब्त कर ली जाती है जिसके बाद पूछताछ हो सकती है और कानूनी कार्रवाई भी संभव है। यहां तक कि लिकर-भरी चॉकलेट लाना भी गैरकानूनी है।

क्या कोई ईरान में शराब खरीद सकता है?

ईरान में कोई शराब की दुकान नहीं है। हालांकि, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों-जैसे अर्मेनियाई ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे धर्म के लोगों को अपने धार्मिक या निजी स्थानों (घर या पूजा स्थल) में सीमित मात्रा में शराब पीने की अनुमति है। लेकिन वे शराब बेच नहीं सकते और न ही मुसलमानों के साथ साझा कर सकते हैं। हालांकि यह छूट पर्यटकों पर लागू नहीं होती।

शराबबंदी और काला बाजार का

खतरनाक सच

शराब पर प्रतिबंध के कारण ईरान में एक अवैध काला बाजार पनप गया है। यहां बिना लाइसेंस की भट्टियों में बनाई जाने वाली घर की शराब को आमतौर पर "अराग" कहा जाता है। यह बेहद खतरनाक है क्योंकि इसमें अक्सर मेथनॉल मिलाया जाता है, जिससे उल्टी और पेट दर्द, लिवर और किडनी फेलियर, कोमा, स्थायी अंधापन और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। घर में बनी शराब रखना भी व्यावसायिक शराब जितना ही गंभीर अपराध माना जाता है। बावजूद इन सब के शराब का अवैध कारोबार स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से चलता रहता है। इसीलए वहां से समय-समय पर अवैध शराब पीने से मरने जैसी खबरें सामने आती रहती हैं।

शराब तस्करीः हाई रिस्क, हाई सजा

ईरान में शराब की तस्करी करना बेहद जोखिम भरा है। अगर कोई पकड़ा गया तो गिरफ्तारी, भारी जुमार्ना, जेल हो सकती है। अगर शराब की तस्करी करने वाला विदेशी पाया जाता है तो डिपोर्टेशन (देश से बाहर निकालना) जैसी सख्त कार्रवाई हो सकती है।

तो क्या ईरान घूमने की योजना छोड़ देनी चाहिए?

हालांकि ईरान में शराब, बार और नाइटलाइफ नहीं है, लेकिन इसके बदले यहां शानदार प्राकृतिक नजारे, ऐतिहासिक स्थल, समृद्ध कला और संस्कृति, और बेहद मेहमाननवाज लोग मिलते हैं।

कई पर्यटक बिना शराब के भी ईरान की यात्रा को यादगार बताते हैं।

पियें तो पियें क्या?

शराबबंदी के बाद ईरान में कई अनोखे और स्वादिष्ट नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स लोकप्रिय हुए हैं। शरबत ठंडा, मीठा और ताजगी देने वाला पेय है। इसके लोकप्रिय फ्लेवर हैं सिकंजबीन, तोखम शर्बती (तुलसी के बीज), खाकशीर और केसर ईरान में "शर्बत खाने" नाम के पारंपरिक कैफे सिर्फ इन पेयों के लिए मशहूर हैं।

नमकीन दही ड्रिंक

दूध दही, पानी और जड़ी-बूटियों से बना नमकीन पेय है। इसे अक्सर कबाब और दीजी जैसे भारी खाने के साथ पिया जाता है। ध्यान रखें: यह पेय नींद लाने वाला माना जाता है।

चाय (उँ८): ईरान का राष्ट्रीय पेयचाय ईरान का सबसे लोकप्रिय पेय है। इसे दिन में कई बार पिया जाता है, आमतौर पर शुगर क्यूब, नबात (मिश्री) या बकलावा (टर्किश मिठाई) के साथ।

अ'२ङ्ग र्फी

क्ल्र्ा क२ंल्ल ळ१ॉ: ईरान में बदली सत्ता तो भारत में ये क्या-क्या होगा महंगा? जानिए क्या-क्या खरीदता है भारत

क्ल्र्ा क२ंल्ल ळ१ॉ: ईरान में बदली सत्ता तो भारत में ये क्या-क्या होगा महंगा? जानिए क्या-क्या खरीदता है भारत, बीयर तो है लेकिन बिना नशे वाली, ईरान में नॉन-अल्कोहलिक बीयर आसानी से मिल जाती है। यह नींबू, आडू और ट्रॉपिकल फ्लेवर में आती है। 'डेलस्टर' जैसे ब्रांड काफी लोकप्रिय हैं। यही ईरानी मेहमाननवाजी को सही मायनों में समझने का तरीका है। इस खबर पर आपकी क्या राय है, हमें कमेंट में बताएं।

ग्रीन गोल्ड एनिमेशन ने फैबर-कैसल इंडिया के साथ की ऐतिहासिक साझेदारी

छोटा भीम की स्टूडेंट प्रोडक्ट्स रेंज को मिलेगा नया विस्तार

10 जनवरी 2026: भारत की अग्रणी एनिमेशन और कैरेक्टर एंटरटेनमेंट कंपनी ग्रीन गोल्ड एनिमेशन ने आज फैबर-कैसल इंडिया के साथ एक अहम लाइसेंसिंग साझेदारी की घोषणा की। यह फैबर-कैसल की पहली लाइसेंस्ड कैरेक्टर कोलैबोरेशन है, जिसके तहत भारत के सबसे लोकप्रिय एनिमेटेड किरदार छोटा भीम को खासतौर पर तैयार की गई स्टूडेंट आर्ट और क्रिएटिव प्रोडक्ट्स की रेंज में पेश किया जाएगा। यह साझेदारी रचनात्मकता, सीखने और एक बेहद पसंद किए जाने वाले भारतीय किरदार को एक साथ लाती है।

यह सहयोग ग्रीन गोल्ड एनिमेशन की उस रणनीति का अहम हिस्सा है, जिसके तहत छोटा भीम की मौजूदगी को स्क्रीन से आगे बढ़ाकर रोजमर्रा की ज़िंदगी से जोड़ा जा रहा है। इससे छोटा भीम की पहचान एक मजबूत और पीढ़ियों से जुड़ी भारतीय बौद्धिक संपदा (क्ढ) के रूप में और मजबूत होती है।

साझेदारी के पहले चरण में फैबर-कैसल इंडिया छोटा भीम थीम वाले कई स्टूडेंट आर्ट प्रोडक्ट्स लॉन्च करेगा, जिनमें वॉटरकलर केक, वैक्स क्रेयॉन्स, पोस्टर कलर्स, स्केच पेन, ऑयल पेस्टल्स और खास तौर पर डिजाइन किए गए क्रिएटिव बंडलिंग किट्स शामिल हैं। इस रेंज का उद्देश्य बच्चों की कल्पनाशक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है, साथ ही छोटा भीम के साथ उनके भावनात्मक जुड़ाव को और गहरा करना है।

ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के संस्थापक और सीईओ राजीव चिलका ने कहा, 'छोटा भीम एक टेलीविजन किरदार से आगे बढ़कर भारत के बच्चों के बचपन का हिस्सा बन चुका है। फैबर-कैसल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे उस विजन का विस्तार है, जिसके तहत हम छोटा भीम को सीखने और रचनात्मकता के रोजमर्रा के पलों का हिस्सा बनाना चाहते हैं। एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित ब्रांड के साथ काम करना हमें उद्देश्यपूर्ण लाइसेंसिंग इकोसिस्टम तैयार करने और बच्चों को प्रेरित करने का अवसर देता है।'

यह सहयोग ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और लाइसेंसिंग पोर्टफोलियो को और मजबूत करता है। छोटा भीम पहले से ही एनिमेशन, फि ल्मों, गेमिंग, मर्चेंडाइज और लाइव एंटरटेनमेंट जैसे कई प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद है।

फैबर-कैसल इंडिया की डायरेक्टर (मार्केटिंग) सोनाली शाह ने कहा, 'ग्रीन गोल्ड एनिमेशन के साथ यह सहयोग फैबर-कैसल इंडिया के लिए एक नया और रोमांचक अध्याय है। छोटा भीम सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि देशभर के बच्चों के लिए एक सांस्कृतिक प्रतीक है। उसे हमारे भरोसेमंद आर्ट और स्टेशनरी प्रोडक्ट्स के साथ जोड़कर हम बच्चों के लिए रचनात्मकता को और मजेदार, जुड़ा हुआ और आकर्षक बनाना चाहते हैं, साथ ही फैबर-कैसल की गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों को बनाए रखते हुए।'

इस लॉन्च को 360-डिग्री प्रमोशनल रणनीति के तहत सपोर्ट किया जाएगा, जिसमें डिजिटल कैंपेन, सोशल मीडिया स्टोरीटेलिंग, क्रिएटिव यूजेज कंटेंट और चुनिंदा बाजारों में रिटेल एक्टिवेशंस शामिल होंगी।

दोनों कंपनियों ने यह भी साफ किया है कि यह सहयोग की सिर्फ शुरूआत है। आने वाले महीनों में नए कैटेगरीज में छोटा भीम थीम वाले और भी प्रोडक्ट्स लॉन्च किए जाएंगे, जिससे बच्चों और माता-पिता के लिए क्रिएटिव विकल्प और बढ़ेंगे।

हरमनप्रीत कौर के तूफान में उड़ी दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस ने दर्ज की बड़ी जीत

(जीएनएस)।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस विमेन ने जीत दर्ज कर ली, पहले खेलकर दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मुंबई ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। हालांकि शुरूआत मुंबई के लिए झटका देने वाली रही और एमेलिया केर खाता खोले बिना ही आउट हो गईं, उसके बाद नताली और हरमन ने मोर्चा संभाल लिया।

विकेटकीपर जी कामलिनी ने 19 गेंदों में 16 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन असली मोमेंटम तीसरे नंबर पर आई नैट साइवर-ब्रंट ने दिया। उन्होंने 46 गेंदों पर 70 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। उनके साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभालते हुए 42 गेंदों में नाबाद

74 रन ठोके। हरमनप्रीत की इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के देखने को मिले।

निचले क्रम में निकोल कैरी ने 12 गेंदों में 21 रन बनाकर रन रेट को और तेज किया, जबकि सजीवन सजाना 2 गेंदों पर 5 रन बनाकर नाबाद रहीं। मुंबई इंडियंस ने यह स्कोर 9.75 के रन रेट से बनाया, जो दिल्ली कैपिटल्स के सामने एक कड़ी चुनौती साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट अपने नाम किये। उनके अलावा श्री चरनी और चिनेलहेनरी ने 1-1 विकेट अपने नाम किये।

दिल्ली कैपिटल्स विमेन को मुंबई इंडियंस के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए हार का सामना करना पड़ा। 195 रनों के जवाब में दिल्ली की टीम 19 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई। शुरूआत बेहद खराब रही और शैफाली वर्मा (8), लॉरा वुलफार्ट (9) और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (1) जल्दी पवेलियन लौट गईं। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप रहने से दिल्ली लगातार दबाव में नजर आई।

इस मुश्किल हालात में चिनेल हेनरी ने अकेले मोर्चा संभालते हुए 33 गेंदों पर 56 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। मुंबई की ओर से गेंदबाजों ने शानदार सामूहिक प्रदर्शन किया-एमेलिया केर और नैट साइवर-ब्रंट ने अहम विकेट झटके, जबकि निकोला कैरी ने गेंद और फील्डिंग दोनों में असर डाला। नतीजतन दिल्ली कैपिटल्स लक्ष्य से काफी दूर रह गई और मुकाबला मुंबई इंडियंस ने अपने नाम कर लिया।

श्रेयस अय्यर रचने जा रहे हैं ऐसा इतिहास, जो भारत में आज तक कोई नहीं कर पाया, कोहली और धवन छूटेंगे पीछे

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वडोदरा में होने वाले पहले वनडे मैच (11 जनवरी) से पहले क्रिकेट जगत में एक ही चर्चा है कि क्या अय्यर वह कारनामा कर पाएंगे जो टीम इंडिया के 'रन-मशीन' विराट कोहली भी नहीं कर सके?

दरअसल श्रेयस अय्यर एक धमाकेदार रिकॉर्ड के बेहद करीब आ गए हैं। यह कुछ ऐसा कीर्तिमान है, जो विराट कोहली भी अपने करियर के दौरान नहीं तोड़ पाए थे। सचिन तेंदुलकर तो काफी दूर हैं। शिखर धवन को भी चिंता हो रही होगी।

विराट कोहली और शिखर धवन का रिकॉर्ड खतरे में

श्रेयस अय्यर अपनी चोट के बाद न केवल फिटनेस साबित कर चुके हैं, बल्कि अब वे इतिहास की किताबों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कराने के करीब हैं। दरअसल, अय्यर वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने की कगार पर हैं। वर्तमान में यह रिकॉर्ड शिखर धवन (72 पारियां) के नाम है, जबकि विराट कोहली को यहाँ तक पहुँचने के लिए 75 पारियां लगी थीं। लेकिन अय्यर का समीकरण कुछ और ही कह रहा है।

मात्र 83 रनों का का है गेम

अय्यर ने अब तक 67 पारियों में 2917 रन बनाए हैं। उन्हें 3000 के जादुई आंकड़े को छूने के लिए सिर्फ 83 रनों की जरूरत है। सस्पेंस यह है कि यदि अय्यर अगले मैच में 83 रन बना लेते हैं, तो वह मात्र 68 पारियों में यह मुकाम हासिल कर लेंगे। ऐसा करते ही वह कोहली और धवन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के 'नंबर 1 सबसे तेज 3000 हजारी' बन जाएंगे। हालांकि ओवरऑल देखा जाए, तो दुनिया में हाशिम अमला ने यह कीर्तिमान (57 पारियों में) बनाया था।

भारत के लिए सबसे तेज 3000 वनडे रन

क्र. भारतीय बल्लेबाज 3000 रनों के लिए पारियां

1, शिखर धवन 72
2, विराट कोहली 75
3, केएल राहुल 78
4, नवजोत सिंह सिद्धू 79
5, सौरव गांगुली 82
6, गौतम गंभीर 87
7, राहुल द्रविड़ 89
8, एमएस धोनी 90
9, सचिन तेंदुलकर 93
10, दिलीप वेंगसरकर 98

क्यों काफी खास है यह रिकॉर्ड

अय्यर की यह उपलब्धि इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उन्होंने मिडिल ऑर्डर (नंबर 4) पर बल्लेबाजी करते हुए इतने रन बटोरे हैं।

कौन है सपना दीदी? जिसकी कहानी से 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार है इंस्पायर

(जीएनएस)।

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओ रोमियो' का टीजर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। शाहिद कपूर स्टारर इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी, दिशा पटानी और फरीदा जलाल जैसे कई दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। टीजर ने अपने डार्क टोन और गंभीर विषय के चलते दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

तृप्ति डिमरी के किरदार पर सस्पेंस

फिल्म को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा तृप्ति डिमरी के किरदार को लेकर हो रही है। माना जा रहा है कि वह मुंबई अंडरवर्ल्ड की कुख्यात और साहसी महिला सपना दीदी से प्रेरित भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में तृप्ति का किरदार 'अफ्शा' नाम की एक युवती का है, जिसकी जिंदगी एक बड़े हादसे के बाद पूरी तरह बदल जाती है।

मासूमियत से बदले की आग तक

प्रेस रिलीज के मुताबिक, तृप्ति का किरदार शुरूआत में एक मासूम

लड़की के रूप में दिखाया गया है, लेकिन परिस्थितियां उसे भीतर से मजबूत और निडर बना देती हैं। उसकी संवेदनशीलता और आंतरिक शक्ति कहानी को भावनात्मक गहराई देती है। टीजर में अफ्शा को 'उस्तरा' नाम के एक हिटमैन के करीब आते दिखाया गया है, जो आगे चलकर उससे प्रेम करने लगता है।

प्यार, धोखा और बदले की खतरनाक जुगलबंदी

कहानी में उस्तरा और अफ्शा का रिश्ता सिर्फ प्रेम तक सीमित नहीं रहता। दोनों मिलकर विश्वासघात, बदले और अपराध की एक खतरनाक दुनिया में कदम रखते हैं। यही गठजोड़ कहानी को रोमांचक मोड़ देता है, जहां हर फैसला जानलेवा साबित हो सकता है।

कौन थीं असली सपना दीदी?

सपना दीदी, जिनका असली नाम अशरफ खान था, मुंबई के अंडरवर्ल्ड में एक जाना-पहचाना नाम थीं। उनके पति की हत्या कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम के इशारे पर हुई थी। इसी घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी और उन्होंने दाऊद से बदला लेने की ठान ली। अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए सपना दीदी ने दाऊद के दुश्मन उस्तरा का साथ चुना। कहा जाता है कि उस्तरा ने ही उन्हें हथियार चलाने और लड़ाई की ट्रेनिंग दी। दोनों ने मिलकर दाऊद और उसकी डी-कंपनी पर कई हमले किए और उसके अवैध धंधों में बाधा डाली। हालांकि दाऊद को खत्म करने की उनकी कोशिशें सफल नहीं हो सकीं। साल 1994 में दाऊद के गुर्गों ने सपना दीदी की बेरहमी से हत्या कर दी।

सीएम डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में बरेली और लखीमपुर खीरी ने मारी बाजी

- मुख्यमंत्री कार्यालय ने जारी की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग
-बरेली ने पहला, लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर ने बराबर अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉनीटरिंग का दिख रहा असर, गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समय में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा

लखनऊ, 10 जनवरीः मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग जारी की गयी है। इसमें डेवलपमेंट और रेवन्यू में बरेली ने प्रथम, लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर ने बराबर अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है जबकि चौथा स्थान सोनभद्र ने प्राप्त किया है। बता दें कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग प्रदेश भर के जिलों में होने वाले आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जारी की जाती है।

सरकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लेती लखीमपुर खीरी जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल।

आगरा, वाराणसी और उन्नाव में चार बड़े एसटीपी स्टार्ट, 50 लाख लोगों को होगा फायदा

यूपी के शहरों का गंदा पानी अब बिना शोधन के गंगा-यमुना में नहीं जाएगा
नमामि गंगे मिशन फेज-2 से यूपी के सीवरेज सिस्टम को मिल रही बड़ी मजबूती
प्रदेश में कुल 74 सीवर शोधन परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं, इनमें से 41 पूर्ण
सीएम योगी के नेतृत्व में नदियों की स्वच्छता को मिली नई रफ्तार
वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 152 एसटीपी संचालित हैं

लखनऊ, 10 जनवरी : उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना सहित प्रमुख नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपशिष्ट जल का शोधन कर नदी प्रदूषण की रोकथाम को लेकर व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। अब प्रदेश के शहरों से निकलने वाला गंदा पानी बिना शोधन के नदियों में नहीं जाएगा। नमामि गंगे मिशन फेज-2 के तहत सीवरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर को व्यापक स्तर पर सुदृढ़ किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रदेश में चार बड़ी सीवरेज अवसंरचना परियोजनाओं का संचालन शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत आगरा में 31 एमएलडी और 35 एमएलडी के दो बड़े एसटीपी स्टार्ट हुए हैं। 842 करोड़ रुपए की इस परियोजना से लगभग 25 लाख लोगों को फायदा होगा। वहीं, वाराणसी के अस्सी-बीएचयू क्षेत्र में 55 एमएलडी एसटीपी का संचालन किया गया है। 308 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस परियोजना से 18 लाख से अधिक लोगों को स्वच्छता और बेहतर अपशिष्ट जल प्रबंधन का लाभ मिलेगा। शुक्लागंज (उन्नाव) में 65 करोड़ रुपए से 5 एमएलडी एसटीपी शुरू हुआ है। इससे 3 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा और गंगा में प्रदूषण पर प्रभावी रोक लगेगी।

अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक तरीके से शोधन : जोगिन्दर सिंह

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक जोगिन्दर सिंह ने बताया कि प्रदेश में सीवर शोधन की कुल 74 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से 41 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि बाकी परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से शहरी क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक तरीके से शोधन किया जा रहा है।

सीवेज को शुद्ध कर बना रहे पर्यावरण के अनुकूल

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 152 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (रळढ) संचालित हैं, जो बड़ी मात्रा में सीवेज को शुद्ध कर नदियों में प्रवाहित होने से पहले उसे पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं।

इन संयंत्रों के माध्यम से गंगा-यमुना की स्वच्छता के साथ-साथ जनस्वास्थ्य को भी सुरक्षित किया जा रहा है।

परियोजनाओं का उद्देश्य नदियों की निर्मलता सुनिश्चित करना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य विभिन्न नालों के माध्यम से नदियों में पहुंचने वाले अपशिष्ट जल का शोधन कर पूरी तरह से नदी प्रदूषण की रोकथाम करना है। इससे नदियों की निर्मलता को सुनिश्चित किया जा रहा है।

गंगा स्वच्छता के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ता यूपी

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक जोगिन्दर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन को लेकर अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। सीवर शोधन परियोजनाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश गंगा स्वच्छता के राष्ट्रीय लक्ष्य को तेजी से हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।

इन जिलों में हुआ काम

सीवर शोधन की परियोजना प्रयागराज (नैनी, फाफामऊ, झूंसी), कन्नौज, नरोरा, गढ़ मुक्तेश्वर, अनूपशहर, कानपुर, बिठूर, अयोध्या, मथुरा-वृन्दावन, छाता (मथुरा), कोसीकला (मथुरा), वाराणसी, चुनार, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, कासगंज, इटावा, शुक्लागंज-उन्नाव, सुल्तानपुर, जौनपुर, बागपत, मुजफ्फरनगर, बुड़ाना, लखनऊ, गाजीपुर, मिजार्पुर, बरेली, कैराना, फरुर्खाबाद, मेरठ, देवबंद (सहारनपुर), सहारनपुर, शामली, हापुड़, गोरखपुर, आगरा, गुलावटी (बुलंदशहर), पंडित दीन दयाल नगर (मुगलसराय-चन्दौली), भदोही, राम नगर, हाथरस, अलीगढ़, डलमऊ (रायबरेली), मानिकपुर (प्रतापगढ़) में संचालित हैं।

लखनऊ-सुल्तानपुर एनएच-56 का फोरलेनिंग प्रोजेक्ट समय पर पूरा: PRAGATI की निगरानी से सुलझी चुनौतियां, 2016 करोड़ की लागत से पूर्वी यूपी को मिली नई गति

लखनऊ, (जीएनएस)।

लखनऊ से सुल्तानपुर तक 127 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग-56 को चार लेन में बदलने का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो गया है। यह कार्य सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत एनएचएआई द्वारा हाइब्रिड एन्युटी मोड पर किया गया, जिसकी कुल लागत 2016 करोड़ रुपये रही। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली ढफ्अऋअळक बैठक की निगरानी से भूमि अधिग्रहण, वन कटाई और निर्माण संबंधी बाधाएं दूर हुईं, जिससे यह प्रोजेक्ट पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए विकास का नया अध्याय बन गया। लखनऊ (24 किमी), बाराबंकी (29 किमी), अमेठी (53 किमी) और सुल्तानपुर (21 किमी) जिलों से

गुजरते इस मार्ग पर एक बड़ा पुल, 14 छोटे पुल, एक आरओबी, 259 कलवर्ट, 10 अंडरपास, 113 जंक्शन और 7 बायपास बनाए गए हैं।

प्रोजेक्ट की चुनौतियां और ढफ्अऋअळक का प्रभाव

प्रोजेक्ट की शुरूआत में कुल 686 हेक्टेयर भूमि की जरूरत थी, लेकिन उपलब्ध मात्र 337 हेक्टेयर थी। भूमि अधिग्रहण, वन कटाई में देरी और निर्माण संबंधी कुल तीन प्रमुख समस्याओं ने कार्य को बाधित किया। 25 अप्रैल 2018 को प्रधानमंत्री की PRAGATI बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार को शेष 349 हेक्टेयर भूमि तुरंत अधिग्रहित कर हस्तांतरित करने और मुआवजा वितरित करने के सख्त निर्देश दिए गए। सड़क मंत्रालय को राज्य सरकार के साथ समन्वय कर कार्य गति बनाए रखने को कहा गया।

निदेशों के बाद नोटिफिकेशन, पुरस्कार वितरण और पेड़ कटाई का काम तेज हुआ। एनएचएआई ने संसाधनों का जमावड़ा बढ़ाया और बाधारहित निर्माण सुनिश्चित किया। परिणामस्वरूप 30 अप्रैल 2019 को प्रोजेक्ट 100 प्रतिशत भौतिक प्रगति के साथ चालू हो गया। पीएमजी प्लेटफॉर्म पर दर्ज सभी मुद्दे सुलझ गए।

विकास और लाभः पूर्वी यूपी को नई दिशा

इस प्रोजेक्ट से लखनऊ के प्रशासनिक-औद्योगिक केंद्रों और सुल्तानपुर के कृषि क्षेत्र के बीच यात्रा समय काफी कम हो गया। बाराबंकी और अमेठी के चावल, गन्ना व दालों जैसे उत्पाद तेजी से मंडियों तक पहुंचने लगे, जिससे किसानों की आय बढ़ी। सात बायपास बनने से कस्बों में जाम कम हुआ, सड़क सुरक्षा बेहतर हुई तथा एमएसएमई, गोदाम, खुदरा व्यापार और कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा मिला। निर्माण के दौरान हजारों रोजगार सृजित हुए, जो अब टोलिंग व रखरखाव में जारी हैं, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश में संतुलित विकास को बल मिला।

लखनऊ से बड़ी खबर

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाला 50 हजार का इनामिया गिरफ्तार

सर्विलॉस सेल पश्चिमी जोन व थाना चौक की संयुक्त कार्रवाई

जूनियर महिला डॉक्टर से बार-बार दुष्कर्म व बिना सहमति गर्भपात का आरोप

पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर चली गिरफ्तारी अभियान

डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्रवाई

एडीसीपी पश्चिमी धनन्जय सिंह कुशवाहा की निगरानी में ऑपरेशन

एसीपी चौक राजकुमार सिंह के मार्गदर्शन में टीम को मिली सफलता

प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय के नेतृत्व में हुई गिरफ्तारी

दिनांक 09 जनवरी 2026 को वांछित/इनामिया अभियुक्त दबोचा गया

गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमे के बाद लंबे समय से फरार था आरोपी।

पक्का बाग फैक्ट्री के पास से हीरो कंपनी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गई

लखनऊ, थाना ठाकुरगंज पुलिस चौकी रिंग रोड क्षेत्र के अंतर्गत पक्का बाग फैक्ट्री के पास से हीरो कंपनी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गई

चोर चोरी करते सीसीटीवी कैमरे में हुआ कैद

रिंग रोड चौकी चार्ज राहुल यादव का कहना है हम अपने हिसाब से दिखवा लेंगे, पीड़ित इस महीने में 8 तारीख को लगभग रात में 10:00 बजे मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गया, ठाकुरगंज पुलिस गस्त करती रही चोर ने मोटरसाइकिल चुरा कर रफू चक्कर हो गया पीड़ित गरीब परिवार से है अपनी मोटरसाइकिल मिल जाए इसलिए रिंग रोड पुलिस चौकी के चक्कर लगा रह है, पीड़ित ने बताया रिंग रोड पुलिस चौकी पर कोई सुनने के लिए तैयार नहीं है मजदूरी कर अपना घर चलते थे इसी मोटरसाइकिल से हम काम करने के लिए जाते थेआज हमारे पास मोटरसाइकिल नहीं है रिंग रोड पुलिस चौकी कार्रवाई नहीं कर रही है चोरों पर इसलिए हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे है, यही चोर जो वीडियो में दिख रहा है 2 दिन पहले बैटरी चुराते हुए ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया था सुविधा शुल्क लेकर छोड़ दिया गया था

फिर उसके बाद हमारी मोटरसाइकिल चुरा ली मुझे पूरा शक है कि यह वही चोर है जो मेरी मोटर साइकिल चोरी किया हैपुलिस को बताने के बाद भी यह चोर जो व्यक्ति है यह पकड़ा नहीं जा रहा है

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि धूमिल कर रही लखनऊ की ठाकुरगंज पुलिस

अब देखना होगा रिंग रोड चौकी इंचार्ज कब तक चोर को पड़कर सलाखों के पीछे करेंगे और गरीब व्यक्ति की मोटरसाइकिल दिलवाएंगे

बीसलपुर में कृषिका गंगवार के जन्मदिन पर विशाल भंडारा, गोरी नागोरी की लाइव परफॉर्मेंस

(जीएनएस)।

पीलीभीत /बीसलपुर डा० रत्नेश गंगवार की छोटी बेटी रानी कृषिका गंगवार के जन्मदिन के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन एक पारिवारिक उत्सव के रूप में हो रहा है, जहां सभी को विशेष आमंत्रण है।यह आयोजन न केवल भोजन प्रसाद के साथ आशीर्वाद का सौगात देगा, बल्कि अभिनेत्री व डांसर गोरी नागोरी (इंडियन शकीरा) की लाइव परफॉर्मेंस से मनोरंजन का भी भरपूर इंतजाम है। समस्त देवतुल्य जनमानस, सहयोगी, भाजपा पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधुओं से निवेदन है कि वे अपना बहुमूल्य समय निकालकर पधारें और इस खुशी के पल को साझा करें।विशेष आमंत्रण संदेश (विस्तार से):आदरणीय मित्रों, भाइयों-बहनों एवं सम्मानित अतिथिगण,नमस्कार!

पीलीभीत जिले के बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता, चेयरमैन ऑफ इंस्टिट्यूशन्स डा० रत्नेश गंगवार (पूर्व महामंत्री छात्र संघ बरेली कॉलेज, वरिष्ठ बी० डी० आर० एल० ग्रुप) की लाड़ली पुत्री रानी कृषिका गंगवार के जन्मदिन के पावन पर्व पर पैतृक ग्राम चौसर हरदो पट्टी, बीसलपुर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।यह समारोह पारिवारिक खुशी का प्रतीक मात्र नहीं, बल्कि समुदाय की एकजुटता का भी उत्सव होगा। हमारा विशेष आग्रह है कि आप सभी - चाहे आप हमारे पुराने सहयोगी हों, पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता, पदाधिकारी हों या स्थानीय समुदाय के सम्मानित सदस्य - इस अवसर पर पधारकर अपना आशीर्वाद प्रदान करें।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण:गोरी नागोरी (इंडियन शकीरा) की लाइव डांस परफॉर्मेंस, जो बॉलीवुड हिट्स और ऊजार्वान नृत्य से माहौल को रोमांचक बनाएगी।स्वादिष्ट भंडारा प्रसाद, जिसमें पारंपरिक व्यंजन शामिल होंगे।सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन-कीर्तन से सजी शाम।कार्यक्रम विवरण:स्थानः पैतृक ग्राम चौसर हरदो पट्टी, बीसलपुर (पीलीभीत)दिनांकः 25 जनवरी 2026 (रविवार)समयः शाम 4 बजे से रात्रि तकआपके सम्मानजनक आगमन से न केवल हमारा परिवार गौरवान्वित होगा, बल्कि यह आयोजन सामाजिक सद्भाव का अनुपम उदाहरण बनेगा।

राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ

राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2026 शुभारंभ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक
-उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने युवाओं को खेल व संस्कृति से जुड़ने का दिया संदेश
उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए

लखनऊ, (जीएनएस)।

बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय बैटल डांस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ आज दिनांक 10 जनवरी 2026 को संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय, सदर बाजार, लखनऊ में हुआ। यह प्रतियोगिता 10 एवं 11 जनवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'आज का युवा केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भी देश का नाम रोशन कर रहा है। बैटल डांस स्पोर्ट्स जैसी विधाएँ अनुशासन, फिटनेस, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का उत्कृष्ट संगम हैं। ब्रेक डांस का ओलंपिक खेल के रूप में शामिल होना इस विधा और युवाओं की प्रतिभा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा, स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं।'

उन्होंने आयोजन समिति को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएँ भी दीं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जय सिंह, क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, आउटरीच ब्यूरो, भारत सरकार रहे।

इस अवसर पर डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, निदेशक इग्नू ने मास्टर कैटेगरी एक्रो योग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रतियोगिता की गरिमा को और बढ़ाया।

कार्यक्रम में अर्जुन अवॉर्डी सुश्री रचना गोविल की संरक्षक के रूप में गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उनकी उपस्थिति से खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में श्री संजीव कुमार सिंह, क्रीड़ा अधिकारी, श्री अनिल श्रीवास्तव, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ, तथा श्री अंकुर अग्रवाल, ट्रस्टी, संस्कृत पाठशाला भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने क्लासिकल डांस, लोक कला, एक्रो योग, एक्रोबैटिक एवं अन्य श्रेणियों में अपनी शानदार एवं ऊजार्वान प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन भारतीय सांस्कृतिक विरासत, खेल भावना और आधुनिक फिटनेस का उत्कृष्ट समन्वय प्रस्तुत कर रहा है।

पहले दिन के स्वर्ण पदक विजेता

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किए, जिसमें मोहलक्षिका सिंह, नेविका सिंह, अर्न ओम सिंह, दीपांशी, तनिष्क बंसल, शिक्षा अग्रवाल, गार्गी द्विवेदी आदि मुख्य रहे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन बैटल डांस स्पोर्ट्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. बी. पंत ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता का समापन समारोह 11 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

सोनभद्र ने चौथा और श्रावस्ती ने पांचवां स्थान प्राप्त किया

शाहजहांपुर के जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इसी का नतीजा है कि शाहजहांपुर मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में प्रदेश भर में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में 10 नंबर में से 9.26 नंबर हासिल कर प्रदेश भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि दिसंबर माह की रैंकिंग में लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर ने बराबर अंक प्राप्त किया है। ऐसे में दोनों जिले प्रदेश भर में दूसरे पायदान पर हैं। इसी तरह सोनभद्र ने 10 अंक में से 9.19 अंक हासिल कर चौथा और श्रावस्ती ने 10 अंक में से 9.13 अंक हासिल कर पांचवा स्थान प्राप्त किया है।

लखीमपुर खीरी ने 9.26 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिले में सरकार की योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयबद्ध पूरा किया जा रहा है। यह उसी का परिणाम है कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जिले ने डेवलपमेंट और रेवन्यू के मामले में 10 अंकों में से 9.26 अंक प्राप्त कर किये हैं। उन्होंने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग के आंकड़ों के अनुसार जिले ने आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि राजस्व विभाग ने भी बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश भर में दूसरा स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। वहीं लखनऊ मंडल में आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार चार माह से लखीमपुर खीरी पहले स्थान पर है। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण, जनसुनवाई और ऑनलाइन फीडबैक की कड़ी निगरानी ने लखीमपुरी खीरी को लखनऊ मंडल में अव्वल बना दिया है।

बरेली ने 10 अंकों में से 9.27 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया

जिलाधिकारी बरेली ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिले में प्राथमिकता के आधार पर आधारभूत सुविधाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए जिले के अधिकारियों के साथ बैठक के साथ मॉनीटरिंग की जाती है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में बरेली ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि जिले ने डेवलपमेंट और रेवन्यू के मामले में 10 अंकों में से 9.27 अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से गुजरात यात्रा पर, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में होंगे शामिल; मंदिर में ओंकार जाप करेंगे।

● बजट सत्र की तारीख तय

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू, 1 फरवरी को पेश होगा बजट; शीतकालीन सत्र में श्र३-ऋफ्अट ऋबिल समेत 8 विधेयक पास।

● भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं: केंद्रीय मंत्री

कहा— भाजपा आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ है, देश के लिए बलिदान देने वाला हर नागरिक समान।

● नफरत नहीं, विकास की राजनीतिः गडकरी

गडकरी बोले— विपक्ष भ्रम फैला रहा है; भाजपा सभी के लिए बिना भेदभाव काम करती है।

● जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाकुंभ

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया उद्घाटन, गृह मंत्री अमित शाह आज होंगे शामिल।

● महाकुंभ में कई केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, नितिन गडकरी और उट भजनलाल शर्मा लेंगे हिस्सा।

● ममता बनर्जी का बड़ा दावा

बोलीं— मेरे पास शाह के खिलाफ पेन ड्राइव; एऊरेड के बाद कोलकाता में रैली।

● अंबरनाथ नगर परिषद में सत्ता समीकरण बदला

शिवसेना-ठउढ और निर्दलीय साथ आए; इखढ को सत्ता से दूर रखने का दावा।

● महाराष्ट्र निकाय चुनाव

29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग; उद्धव बोले— इखढ का हिंदुत्व नकली।

● राम मंदिर क्षेत्र में नॉनवेज पर रोक

अयोध्या में मंदिर और आसपास के इलाके में नॉनवेज डिलीवरी पूरी तरह बंद।

● जयपुर में ऑडी का कहर

तेज रफ्तार कार ने 16 को रौंदा, 1 की मौत; 10 से ज्यादा ठेले क्षतिग्रस्त।

● हिमाचल में बस हादसा

गहरी खाई में गिरी कोच बस, 14 लोगों की मौत; राष्ट्रपति और पीएम ने जताया शोक।

● अंकिता भंडारी केस

हत्या मामले की उइक जांच होगी; उट धामी ने सिफारिश की।

● ग्रीनलैंड विवाद पर डेनमार्क सख्त

ट्रंप की धमकी पर बोला— पहले गोली मारेंगे, फिर बात करेंगे।

● हढछः बेंगलुरु की जीत

पहले मैच में मुंबई को 3 विकेट से हराया; डी क्लर्क का धमाकेदार फिनिश।

● मौसम का अलर्ट

राजस्थान के 20 जिलों में कोहरा-शीतलहर; उत्तराखंड में पारा -21त्ज तक गिरा।

● चांदी के दाम में उछाल

एक दिन में ₹6,982 महंगी होकर ₹2.43 लाख पहुंची; ट्रेड डील पर भारत-अमेरिका में बयानबाजी।

राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सड़क परिवहन अवसंरचना परियोजनाओं और यातायात जाम कम करने की पहलों की समीक्षा की

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग एवं कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग एवं कॉर्पोरेट मामलों की प्रमुख सड़क अवसंरचना परियोजनाओं और यातायात जाम कम करने की पहलों की समीक्षा की

(जीएनएस)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग एवं कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली को प्रभावित करने वाले प्रमुख सड़क अवसंरचना कार्यों की प्रगति, यातायात जाम कम करने की रणनीतियों और अंतर-एजेंसी समन्वय संबंधी मुद्दों का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पश्चिम दिल्ली की सांसद श्रीमती कमलजीत सहरावत, दिल्ली के मुख्य सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव और आवास एवं शहरी

मामलों के मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), दिल्ली सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पुलिस, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), दिल्ली परिवहन विभाग और अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

चर्चा का शुभारंभ करते हुए श्री हर्ष मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणालियों के माध्यम से "विकसित भारत" की भावना को प्रतिबिंबित करना चाहिए। श्री मल्होत्रा ने दोहराया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विजन दिल्ली को एक आदर्श शहर में बदलना है, जो भीड़भाड़ से मुक्त, बेहतर कनेक्टिविटी वाला और भविष्य के लिए तैयार हो, साथ ही नागरिकों और यात्रियों के जीवन स्तर में सुधार लाए। श्री मल्होत्रा ने कहा कि भीड़भाड़ से मुक्त, कनेक्टिविटी से युक्त और नागरिक-केंद्रित "विकसित दिल्ली" का निर्माण चार स्तंभों पर टिका हैः ऐसा बुनियादी ढांचा जो भविष्य की मांग का पूवार्नुमान लगाए, न कि केवल वर्तमान यातायात पर प्रतिक्रिया दे; एकीकृत योजना, जो राजमार्गों को शहरी सड़कों, सार्वजनिक परिवहन और रसद गलियारों से जोड़ती है; सतत परिवहन, जो उत्सर्जन को कम करती है और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करती है;